RKSD COLLEGE, KAITHAL

("A" Grade, NAAC Accredited)

Affiliated to Kurukshetra University Kurukshetra

Camp on Indian Knowledge System

09-Days Sanskrit Discourse Camp from 01st February to 09th February, 2018

[Under the Aegis of Haryana Sanskrit Academy, Panchkula (Haryana Government)]

Topic: "Science & Discourse in Sanskrit Literature" (संस्कृत भाषा में निहित ज्ञान-विज्ञान एवं संस्कृत संभाषण)

Department of Sanskrit, RKSD College Kaithal organized a 9-days Sanskrit Discourse Camp from 01-09th February, 2018 under the Aegis of Haryana Sanskrit Academy, Panchkula (Haryana Government). Two trainers- Sh. Pradeep Shastri and Sh. Anil Kumar were appointed by Sanskrit Bharati (Haryana branch) to train and guide the students for 9 days. The camp included a set of 3 events- Sanskrit Communication, Poster Exhibition on 'Science in Sanskrit' and Sanskrit Book Exhibition.

A 9-days Sanskrit communication course was conducted in seminar hall of Science Block of the college, in which 90 students of different classes participated enthusiastically. The 2 trainers provided the students basic skills to understand and generate simple sentences in Sanskrit which they can use in their day-to-day life. It was further strengthened by a 'Vastu Pradarshini' in which students were made to learn the names of different things in Sanskrit.

Poster Exhibition on 'Science in Sanskrit' included over 95 posters containing Sanskrit sutras on ancient sciences like Medical science, Mathematics, Astronomy, Plant science, Chemistry, Archaeology etc. The posters were displayed in the corridor of Science Block of the College.

Sanskrit Book Exhibition was inaugurated by Dr. Someshwar Dutt, Director, Haryana Sanskrit Academy, Panchkula. About 200 Sanskrit books on different topic were displayed in this exhibition. A large number of students and teachers visited and purchased the books.

संस्कृत देश की महान सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए हैं : मोर

अमर उजाला ब्यूरो
कैथल।

आरकेएसडी कॉलेज में हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला के सौजन्य से चल रहे 9 दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर में बीएससी तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को बोटनी इन संस्कृत यानी प्राचीन संस्कृत शास्त्रों में जीव विज्ञान के उल्लेख से रुबरु करवाया गया।

प्रशिक्षकों आचार्य प्रदीप व अनिल शास्त्री की ओर से संस्कृत भाषा का ज्ञान दिया जा रहा है। शिविर के 5वें दिन की शुरुआत संस्कृत विभागाध्यक्ष डा. लक्ष्मी मोर की अध्यक्षता में हुई और ध्येय गीत, मंत्रोच्चारण आदि के गायन के साथ शिविर शुरू हुआ। इसके बाद संस्कृत की पांचवीं व छठी विभक्ति का प्रयोग करवाकर छात्र-छात्राओं को दैनिक जीवन की अनेक वस्तुओं का संस्कृत में उच्चारण करवाया गया तथा प्रशिक्षकों ने बातचीत में छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग करना भी सिखाया।

इस शिविर में प्रतिदिन न केवल अलग-अलग विभागों के प्राध्यापक सहित विभिन्न विषयों कला संकाय, विज्ञान संकाय तथा वाणिज्य संकाय के साथ-साथ बीएड व फार्मेसी कालेज के विद्यार्थी भी संस्कृत सीखने की ललक से इस सम्भाषण शिविर का हिस्सा बन रहे हैं। विभागाध्यक्ष डा. लक्ष्मी मोर ने बताया कि संस्कृत हमारे देश की महान सांस्कृतिक विरासत को सौजन्य हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अक्षरों का उच्चारण कैसे किया जाता है यह विज्ञान सबसे पहले संस्कृत भाषा के माध्यम से विश्व में फैला। शिविर संयोजिका डा. विनय सिंहल ने कहा कि शिविर का संस्कृत सम्भाषण शिविर देववाणी को जीवंत रखने की मुहिम है और इससे सबका जुड़ना वास्तव में इसके आयोजन की सार्थकता है। इस मौके पर विभागाध्यक्ष डा. लक्ष्मी मोर, संयोजिका विन सिंहल, व सह संयोजिका ऋचा लाग्यान सहित बी.एड. कालेज की प्राचार्य डा. कमलेश संधु सहित डा. दीप शिखा, डा. मजुला, प्रो. अर्चना, डा. अशोक अत्री, पीआरओ महेंद्र खन्ना आदि मौजूद रहे।

आरकेएसडी कॉलेज में संस्कृत संभाषण शिविर के दौरान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों को जानकारी देतीं संयोजिका विन सिंघल। अमर उजाला

संस्कृत के वाक्यों का प्रयोग सिखाया

जागरण संवाददाता, कैथल: आरकेएसडी कालेज में हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला के सौजन्य से चल रहे 9 दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर में बीएससी तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को बोटनी इन संस्कृत यानी प्राचीन संस्कृत शास्त्रों में जीव विज्ञान के उल्लेख से रूबरू करवाया गया।

प्रशिक्षकों आचार्य प्रदीप व अनिल शास्त्री द्वारा संस्कृत भाषा का ज्ञान दिया जा रहा है। शिविर के पांचवें दिन की शुरुआत संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मी मोर की अध्यक्षता में हुई और ध्येय गीत, मंत्रोच्चारण आदि के गायन के साथ शिविर शुरू हुआ। इसके उपरांत संस्कृत की पांचवीं व छठी विभक्ति का प्रयोग करवाकर छात्र-छात्राओं को दैनिक जीवन की अनेक वस्तुओं का संस्कृत में उच्चारण करवाया गया तथा प्रशिक्षकों ने बातचीत में छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग करना भी सिखाया।

इस शिविर में प्रतिदिन न केवल अलग-अलग विभागों के प्राध्यापक सहित विभिन्न विषयों कला संकाय, विज्ञान संकाय तथा वाणिज्य संकाय के साथ-साथ बीएड व फार्मेसी कालेज के विद्यार्थी भी संस्कृत सीखने की ललक से इस सम्भाषण शिविर का हिस्सा बन रहे हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मी मोर ने बताया कि संस्कृत हमारे देश की महान सांस्कृतिक विरासत को सौजन्य हुए हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि अक्षरों का उच्चारण कैसे किया जाता है यह विज्ञान सबसे पहले संस्कृत भाषा के माध्यम से विश्व में फैला। शिविर संयोजिका डा. विनय सिंघल ने कहा कि शिविर का संस्कृत सम्भाषण शिविर देववाणी को जीवंत रखने की मुहिम है और इससे सबका जुड़ना वास्तव में इसके आयोजन की सार्थकता है।

इस मौके पर विभागाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मी मोर, संयोजिका विन सिंघल, व सह संयोजिका ऋचा लाग्यान सहित बीएड कालेज की प्राचार्य डॉ. कमलेश संधु सहित डॉ. दीप शिखा, डॉ. मजूला, प्रो. अर्चना, डॉ. अशोक अत्री व पीआरओ महेंद्र खन्ना मौजूद रहे।

शिविर को संबोधित करते आचार्य प्रदीप • जागरण

शिविर

- आरकेएसडी कॉलेज में चल रहा है संस्कृत संभाषण शिविर
- विद्यार्थियों को संस्कृत शास्त्रों में जीव विज्ञान का उल्लेख करवाया

'संस्कृत मानव समाज को जोड़ने का करती है कार्य'

कैथल (ब्यूरो)। हरियाणा संस्कृत अकादमी के सौजन्य से आरकेएसडी कालेज में चल रहा 9 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर व संस्कृत पुस्तक प्रदर्शनी शुक्रवार को संपन्न हुई। समापन अवसर पर हरियाणा संस्कृत अकादमी के निदेशक डा सोमेश्वर दत्त मुख्यतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यातिथि ने शिविर में भाग लेने वाले 86 छात्र-छात्राओं व प्रशिक्षकों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए। इस मौके पर प्रिंसिपल डॉ. ओपी गर्ग, विभागाध्यक्ष डा. लक्ष्मी मोर, संस्कृत अकादमी के पत्राचार प्रमुख भूपेंद्र, शिविर संयोजिका डॉ. विनय सिंहल, सह संयोजक डा अशोक अत्री व प्रो ऋचा लाम्यान मौजूद रहे।

निदेशक डा सोमेश्वर ने कहा कि राष्ट्रीय एकता व संस्कृति के दिव्य दर्शन कराने वाली भाषा मानव समाज को जोड़ने का कार्य करती है। कुछ वक्त पहले प्राय लुप्त हो रही संस्कृत भाषा को जीवंत करने की तरफ यह शिविर एक मजबूत कदम है, जिसमें साइंस और कॉमर्स के विद्यार्थियों ने भी इस भाषा का ज्ञान हासिल करके भारत वर्ष को फिर से विश्व गुरू बनने की तरफ एक पुख्ता कदम आगे बढ़ाया है। इस समारोह में शिविरार्थियों त्रिलोक ने संस्कृत गीत, मनोज व मोहित ने मोबाइल पर संस्कृत में वार्तालाप तथा प्रदीप, कुसुम, गुरमीत, मोनिका व अनिल सहित आचार्य प्रदीप व अनिल ने शिविर के अनुभव सांझा किए। इस कार्यक्रम में डा ओपी सैनी, डा गगन मित्तल, डा अशोक शर्मा, डा अनिल जिंदल, प्रो अरचना तिवारी, महेंद्र खन्ना आदि मौजूद रहे।

समारोह में अपनी प्रस्तुति देतीं हुई छात्रा। -अमर उजाला

दिव्य दर्शन कराने वाली भाषा है संस्कृत : डॉ .सोमेश्वर

आरकेएसडी में आयोजित संस्कृत शिविर में प्रतिभागियों को सम्मानित करते हरियाणा संस्कृत एकादमी निदेशक डॉ. सोमेश्वर • जागरण

जागरण संवाददाता, कैथल: हरियाणा संस्कृत अकादमी के सौजन्य से आरकेएसडी कालेज में चले 9 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर व संस्कृत पुस्तक प्रदर्शनी का समापन हुआ।

हरियाणा संस्कृत अकादमी के निदेशक डॉ. सोमेश्वर दत्त ने मंत्रोचारण के बीच दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यातिथि ने शिविर में भाग लेने वाले 86 छात्र-छात्राओं व प्रशिक्षकों को प्रशंसा पत्र प्रदान किए। इस मौके पर प्रिंसिपल डॉ.ओपी गर्ग, विभागाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मी मोर, संस्कृत अकादमी के पत्राचार प्रमुख भूपेंद्र, शिविर संयोजिका डॉ. विनव सिंहल, सह संयोजक डॉ. अशोक अत्री व प्रो. ऋचा लाग्यान मौजूद रहे। निदेशक डॉ. सोमेश्वर ने कहा कि राष्ट्रीय एकता व संस्कृति के दिव्य दर्शन कराने वाली भाषा मानव समाज को जोड़ने का कार्य करती है।

उन्होंने आरकेएसडी कालेज प्रिंसिपल व शिविर संयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि कुछ वक्त पहले प्राय लुक्त हो रही संस्कृत भाषा को जीवंत करने की तरफ यह शिविर एक मजबूत कदम है, जिमसें साईस और कॉमर्स के विद्यार्थियों ने भी इस भाषा का ज्ञान हासिल करके भारतवर्ष को फिर से विश्व गुरू बनने की तरफ एक पुख्ता कदम आगे बढ़ाया है। उन्होंने संस्कृत भारती के साथ मिलकर अकादमी द्वारा संस्कृत भाषा के उत्थान के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों का भी उल्लेख किया।

शिविर में विद्यार्थियों को बताया कैसे बोलें संस्कृत

संस्कृत भाषा प्रशिक्षण शिविर में विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए विशेषज्ञ • जागरण

जागरण संवाददाता, कैथल : आरकेएसडी कॉलेज में आयोजित शिविर में संस्कृत भाषा के महत्व और भाषा को कैसे बोला जाए के बारे विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। नौ दिवसीय शिविर हरियाणा संस्कृत अकादमी के सौजन्य से लगाया जा रहा है। शिविर के तीसरे दिन विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा का जन्म कैसे हुआ और सही उच्चारण कैसे करें इसकी जानकारी दी गई। काफी संख्या में सामने वस्तुएं रख उनका उच्चारण बार बार समझाया गया।

शिविर संयोजिका डॉ. विनय सिंघल ने बताया कि पिछले काफी समय से वह इस तरह का शिविर लगाने के लिए प्रयास कर रही थी। वह अपनी कक्षा के बच्चों को पढ़ाने के साथ ही चाहती है कि अन्य बच्चे भी संस्कृत भाषा के महत्व को जानते हुए अपने जीवन में अपनाएं। संस्कृत दुनिया की सबसे प्राचीनतम भाषा है और संस्कृत से ही अन्य भाषाओं का जन्म हुआ है। उनका उद्देश्य भी यही था। दो घंटे तक प्रशिक्षण से पहले विद्यार्थियों को प्रदर्शनी के माध्यम से इतिहास के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि संस्कृत में विद्वानों ने वह बातें और खोज बहुत पहले ही कर ली थी जिनको वैज्ञानिक आज खोज रहे और भविष्य में खोजने वाले हैं। शिविर में विद्यार्थियों को संस्कृत गीत व मंत्रोच्चारण के साथ ही संकल्प भी करवाया गया। शिविर में 85 विद्यार्थियों ने भाग लिया।